बायोडेटा

न्यायमूर्ति श्रीमती रंजना प्रकाश देसाई का जन्म 30 अक्टूबर 1949 को मुंबई में हुआ। इन्होंने 1970 में एलफिंस्टन कॉलेज से कला में स्नातक किया और 1973 में सरकारी लॉ कॉलेज से एलएलबी की।

यह 30 जुलाई 1973 को विधि के पेशे से जुड़ीं। इन्होंने न्यायमूर्ति स्वर्गीय श्री एस.सी. प्रताप के न्यायधीश बनने से पहले, उनके चैंबर में एक जूनियर के रूप में काम किया, जहाँ इन्हें कई दीवानी और आपराधिक मामलों में पेश होने का अवसर मिला। इन्होंने अपने पिता स्वर्गीय श्री एस.जी.सामंत, जो कि एक प्रख्यात आपराधिक वकील थे, के साथ भी काम किया, इन्हें 1979 में बॉम्बे उच्च न्यायालय के अपीलीय पक्ष में एक सरकारी वकील के रूप में नियुक्त किया गया। इन्हें 1986 में बॉम्बे उच्च न्यायालय के लिए निवारक निरोध मामलों के विशेष लोक अभियोजक के रूप में नियुक्त किया गया। इन्हें 01 नवंबर, 1995 को बॉम्बे उच्च न्यायालय के अपीलीय पक्ष के मुख्य सरकारी वकील के पद पर नियुक्त किया गया।

इन्हें 15 अप्रैल 1996 को बॉम्बे उच्च न्यायालय की न्यायपीठ में उन्नत किया गया। इन्हें 13 सितंबर 2011 को भारत के उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में उन्नत किया गया।

सुप्रीम कोर्ट से सेवानिवृत्त होने के पश्चात् इन्हें 01 दिसंबर, 2014 से विद्युत अपीलीय न्यायाधिकरण के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया, एक पद जिस पर यह 30 नवंबर, 2017 तक रहीं।

विद्युत अपीलीय न्यायाधिकरण के अध्यक्ष के रूप में अपना कार्यकाल पूरा करने के पश्चात्, इन्हें 02 जुलाई, 2018 से एडवांस रूलिंग प्राधिकरण [आयकर] के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया, एक पद जिस पर यह 29 अक्टूबर, 2019 तक रहीं।

इन्हें 06 मार्च, 2020 से भारतीय परिसीमन आयोग के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया, एक पद जिस पर यह 05 मई, 2022 तक रहीं, जब इनकी अध्यक्षता में आयोग ने अपना जनादेश पूरा किया और केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर के लिए अंतिम परिसीमन रिपोर्ट प्रस्तुत की।

अपने करियर के दौरान इन्होंने लोकपाल अध्यक्ष और सदस्यों के पद के लिए नामों की संस्तुति करने के लिए खोज समिति के 'अध्यक्ष' के रूप में भी सेवा प्रदान की।

इन्होंने उत्तराखंड सरकार द्वारा 27.05.2022 को गठित समिति की अध्यक्ष के रूप में कार्य किया, जिसका उद्देश्य उत्तराखंड सरकार को राज्य के लिए समान नागरिक संहिता तैयार करने में सक्षम बनाने के लिए एक रिपोर्ट प्रस्तुत करना था। वर्तमान में ये इसी उद्देश्य से गुजरात सरकार द्वारा गठित समिति की अध्यक्षता कर रही हैं।

इन्होंने 17.06.2022 से 16.12.2025 तक भारतीय प्रेस परिषद के अध्यक्ष का पदभार संभाला (राजपत्र अधिसूचना दिनांक 17 जून 2022 के तहत)।

इन्हें राजपत्र अधिसूचना दिनांक 03 नवंबर 2025 के माध्यम से **आठवें केंद्रीय वेतन आयोग के अध्यक्ष** के रूप में नियुक्त किया गया था।

वर्तमान में इन्हें तीन वर्ष की अवधि के लिए राजपत्र अधिसूचना दिनांक 24.04.2026 के माध्यम से भारतीय प्रेस परिषद की माननीय अध्यक्ष के रूप में दूसरे कार्यकाल के लिए नियुक्त किया गया है।